

खुशबू स्त्री. (फा.) सुगंध, सौरभ।

खुशबूदार वि. (फा.) सुगंधित, सुगंधयुक्त।

खुशमिजाज़ वि. (फा.) प्रसन्नचित, हँसमुख।

खुशमिजाज़ी स्त्री. (फा.) जिंदादिली, प्रसन्नता।

खुशहाली स्त्री. (फा.) संपन्नता, समृद्धि, अच्छी अवस्था।

खुशामद स्त्री. (फा.) 1. खुश करने वाली बात, चापलूसी 2. किसी को प्रसन्न करने के लिए की जाने वाली झूठी प्रशंसा।

खुशामदी पुं. (फा.) खुशामद की कमाई खाने वाला, जी हुजूर वि. चाटुकार, चापलूस, खुशामद करने वाला।

खुशी स्त्री. (फा.) 1. आनंद, प्रसन्नता, हर्ष 2. इच्छा, मरजी।

खुश्क वि. (फा.) 1. शुष्क पदार्थ, जिसमें जल का अंश सूख कर निकल गया हो, सूखा 2. जो तर न हो, जिसमें चिकनाहट न लगी हो, इस होटल की रोटी बहुत खुश्क है 3. जो केवल रूपों के रूप में मिलता हो (वेतन) 4. जिसके हृदय में कोमलता, रसिकता आदि का अभाव हो, रुखे स्वभाव वाला।

खुश्की स्त्री. (फा.) 1. सूखापन, रुखापन, रसहीनता, शुष्कता, नीरसता 2. स्थल या भूमि (जलका विरोधी) 3. सूखा आटा, जो आटे की लोई पर लगाया जाता है, पलेथन 4. अकाल, अवर्षण।

खुसफुसाहट स्त्री. (अनु.) कानाफूसी।

खुसिया पुं. (अर.) फोता, अंडकोश।

खुसुर-फुसुर स्त्री. (अनु.) कानाफूसी, बहुत धीमी आवाज में बात करना क्रि.वि. (देश.) अस्फुट स्वर से फुसफुसा।

खुसूसियत स्त्री. (अर.) 1. विशेषता, खास बात 2. प्रेमभाव, मेल, सौहार्द।

खूँखार वि. (फा.) 1. खून पीने वाला, रक्त पान करने वाला 2. भयंकर, डरावना 3. क्रूर, निर्दय।

खूँट पुं. (तद्.) 1. कोना, घोर 2. भारी, चौकोर या गोल पत्थर जो मकान की मजबूती के लिए कोनों पर लगाया जाता है 2. छोटी पूरी, जो देवी देवताओं को चढ़ाने के लिए बनती है 4. कान में

पहनने का एक प्रकार का गहना 5. दिशा, भाग स्त्री. (देश.) 1. कान का एक गहना जो दिये के आकार का होता है 2. आठ सेर की तौल जो घी तेल आदि के लिए पहले प्रचलित थी।

खूँटना स.क्रि. (देश.) 1. पूछताछ करना 2. छेड़छाड़ करना 3. कम होना।

खूँटा पुं. (देश.) 1. लकड़ी या बाँस की मेख, जिसे गाड़कर गाय, भैंस को बाँधते हैं 2. खड़ी गाड़ी हुई लकड़ी।

खूँटी स्त्री. (देश.) 1. छोटी मेख 2. दीवार में चीज टाँगने, बाँधने, लटकाने आदि के लिए गाड़ी जाने वाली कील 3. चक्की की किल्ली 4. सितार, सारंगी, खड़ाऊँ आदि में जड़ी छोटी मेख 5. अरहर या ज्वार के पौधे का सूखा डंठल जो फसल काट लेने पर खेत में गड़ा रह जाता है 6. गुल्ली, अंटी 7. बालों के कड़े अंकुर जो मूँड़ने के पीछे रह जाते हैं या निकलते हैं मुहा. खूँटी कसना-सितार आदि तंत्र वाद्यों के तार को खूँटी ऐंठ कर कसना।

खूँदना अ.क्रि. (देश.) 1. घोड़े का बलात रोके जाने पर उसी जगह हटना-बढ़ना, घूमना, पांव मारना, टाप से जमीन खोदना, रौंदना 2. कुचलना, कूदना।

खूँझा पुं. (देश.) 1. फल, तरकारी का रेशेदार भाग जो खाने योग्य समझ कर फेंक दिया जाता है 2. सूत, रेशम आदि के उलझे हुए धागों का लच्छा।

खूँटना अ.क्रि. (देश.) 1. अवरुद्ध हो जाना, रुक जाना, बंद हो जाना 2. कम हो जाना, चुक जाना, खत्म हो जाना।

खूँद पुं. (देश.) किसी तरल चीज को छानने, निथारने से निकलने वाला मैल, तलछट।

खून पुं. (फा.) 1. रक्त, लहू, रुधिर 2. लाल रंग का वह प्रसिद्ध तरल पदार्थ जो मनुष्यों, पशुओं आदि के शरीर में नाडियों, शिराओं आदि में होकर चक्कर लगाता रहता है मुहा. खून खौलना- क्रोध से शरीर लाल होना, गुस्सा चढ़ना; खून जमना-रक्त प्रवाह रुक जाना; आँखों में खून उतरना- क्रोध के कारण आँखें लाल